Fall in Industrial Production

2344. SHRI SURESH PACHOURI: Will the PRIME MINISTER be pleased to refer to the answer to Unstarred Question 196 and 199 given in the Rajya Sabha on 9th July, 1992 and state the impact of fall in growth rate in industrial production on the economy especially employment growth?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) (SHRIMATI KRISHNA SAHI): As stated earlier in reply to Unstarred Question 196 and 199 given in the Rajya Sabha, the Index of Industrial Production compiled by Central Statistical Organisation showed an overall rate of growth of (—) 0.1 per cent during 1991-92 over 1990-91. This may result in the declaration of the rate of growth of real GDP, which is likely to be no more than 2.5 per cent in 1991-92, and also slower growht of employment generation.

Tie-ups between small business in India and USA

2345. DR. SANJAYA SINH: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there is a great potential to develop tie-ups between small business in India and the USA and thus increasing investment and technology flow into the country;

(b) if so, the details thereof; and

(c) what steps Government propose to take in the matter?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (DEPARTMENT OF SMALL SCALE INDUSTRIES AND AGRO AND RURAL INDUSTRIES (SHRI P. J. KURIEN): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) The Government have liberalised provisions and simplified procedures governing foreign investment approvals and foreign technology agreements. Automatic permission for foreign technology agreements is now available in certain high priority industries, upto a lumpsum payment of Rs. one crore subject to certain conditions. In respect of other industries, automatic permission for foreign technology agreement is allowed if no free foreign exchange is required for any payments. No permission is necessary for hiring of foreign technicians or foreign testing of indigenously developed technologies. These liberalised measures have generated considerable interest in industry and business circles including small business in several countries including USA. From August, 1991 to June, 1992, 305 foreign collaboration approvals with USA have been given. Out of these 116 proposals involve foreign equity and the total amount involved is Rs. 549.26 crores. These include both small and large businesses and industries.

सवाई माधोपुर स्थित जयपुर उद्योग सीमेंट फैक्टरी को पुनः चालू करने का बी० आई० एफ० आर० का निर्णय

2346. **डा० अबरार अहमद** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि औद्योगिक तथा वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड सवाई माधोपुर (राजस्थान) स्थित जयपुर उद्योग सीमेंट फैक्टरी को पुनः चालू करने के पक्ष में अन्तिम निर्णय ले चुका है; यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ;

(ख) इस उद्योग को अब तक पुनः चालू न किए जाने के क्या कारण हैं और इस संबंध में कौन-कौन सी कठिनाइयां पेश आ रही हैं; और

(ग) क्या सरकार इस उद्योग के कर्मकारों जिन्हें पिछले पांच वर्षों से वेतन नहीं मिला है, को कोई राहत प्रदान करेगी ?

उद्योग मंत्रालय औद्योगिक विकास विभाग में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही) : (क) और (ख) जी, हां। बी आई. एफ. आर. ने जयपुर उद्योग लि० के पुनरूज्जीवन के लिए 21-4-92 को एक योजना मंजूर की है। यह योजना तत्काल लागू हो गई है। उक्त योजना में मै० गानन डंगरली एण्ड कं० लि० द्वारा जयपुर उद्योग लिमिटेड की सभी परिसंपत्तियों

ब देनदारियों सहित इसके प्रबंधन के अधिग्रहण की मंजूरी दी गई है। बी. आई. एफ. आर. के तारीख 24-6-1992 के संशोधित आदेश के अनुसार, बी०आई०एफ०आर० द्वारा योजना मंजूर किए जाने पर मै० गानन डकरली एण्ड कं० लि० को तत्काल 303.5 करोड़ रु० लगाने होंगे। परियोजना पर कार्य आरंभ करने के लिए अभी तक कोई कठिनाई सामने नहीं आई है।

(ग) जी. नहीं। तथापि, योजना में यह भी परिकल्पना की गयी है कि श्रमिक तीन समान किश्तों में आस्थगित आधार पर देय 300 लाख रु० के बकाया मजदूरी/वेतन/बोनस के समझौते को स्वीकार करेंगे और श्रमिक उच्च उत्पादकता मानदण्डों से कार्यान्वित किए जाने वाले श्रमिक औचित्य स्थापन कार्यक्रम के लिए भी सहमत होंगे।

Production in Cycle Corporation of India

2347. SHRI S. MADHAVAN: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether the production in the Cycle Corporation of India has come down and if so, what are the details thereof; and

(b) whether the employees have given any plan for the revival of this unit and if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (DEPARTMENT OF HEAVY INDUSTRIES AND DEPARTMENT OF PUBLIC ENTERPRISES) (SHRI P. K. THUNGON): (a) Yes, Sir. The details of production of CCIL during the last four years is given below:—

Year	No. of Bicycles
1988-89	85867
1989-90	78214
1990-91	65180
1991-92 (Prov.)	67950

(b) No, Sir. However, the Trade Unions of CCIL have been giving various suggestions for improving the performance of the company such as working capital assistance, worker's participation in management, modernisation of plant, etc.

सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में महिला कर्मचारियों का स्थानांतरण

2348. **श्री विश्वासराव रामराव पाटिल** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सार्वजनिक क्षेत्र के कुछ उपक्रमों में महिला कर्मचारियों को यह वचन-पत्र देना जरूरी होता है कि वे अनुकंपा के आधार पर स्थानांतरण के लिए आवेदन करते समय अपनी वरिष्ठता का दावा नहीं करेंगी;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के ऐसे सभी उपक्रमों को भविष्य में इस तरह के वचन-पत्र न लेने हेतु अनुदेश जारी करने का विचार रखती है;

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है;

(ङ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं;

(च) क्या सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को उन सभी महिलाओं की सेवा में आए व्यवधान को माफ करने का अनुदेश भी देगी, जिनकी वरिष्ठता ऐसे वचन-पत्र के परिणामस्वरूप पहले से प्रभावित हो चुकी है;

(छ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ज) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

उद्योग मंत्रालय भारी उद्योग विभाग और लोक उद्यम विभाग में राज्य मंत्री (श्री पी०के० थुंगन) :(क) और (ख)